Downloaded from www.studiestoday.com

विषय --हिंदी (तृतीय भाषा)
कक्षा --छठीं

सी- सी -ई अभ्यास पत्र--

प्रश्न १ पठित गद्यांश:-

सुकरात ने इस बात पर जोर दिया कि बिना सोचे-समझे हम न कोई बात मानें और न कुछ करें। किसी बात को केवल इसीलिए ठीक मान लिया जाए कि सदा से सब लोग उसे ठीक मान रहे हैं-यह एक गलत बात है।पहले सोचो और समझो कि वह सचमुच ही ठीक और उचित है या नहीं। सुकरात की तर्कशक्ति ने कई अंधविश्वासों का खंडन किया। जहाँ सुकरात के मित्र थे, वहाँ उसके कुछ शुत्र भी बन गए थे। सुकरात के शुत्रओं ने उस पर मुकदमा चलाया और यह आरोप लगाया कि वह गलत विचारों का प्रचार कर रहा है। (समाचार पत्र)

उपर्युक्त पठित गद्यांश को भलीभाँति पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

क. किसी बात को कब मानना चाहिए?
ख. सदा से ठीक मानी जानेवाली बातों के बारे में सुकरात क्या कहते हैं?
ग. कुछ लोग सुकरात के शुत्र क्यों बन गए?
घ. शुत्रओं ने सुकरात पर क्या आरोप लगाया ?
ड. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए?

प्रश्न २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. लेखिका को क्या याद आया था?
ख. किसको नामकरण किया गया हैं?
ग. वाक्य रचना:- प्रचार, गलत
घ. विलोम लिखिए:- ठीक, शुत्र

प्रश्न ३.निम्नलिखित शब्दों के वाक्य लिखिए।

चिड़िया, काँटे, जहाँ, मुँह, पंक्तियाँ

प्रश्न ४. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए:-

छात्र २. लेखक ३. बालक ४. चिड़ा ५. माली

प्रश्न ५. 'जार्ज ' इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com